

पुस्तक संख्या
श्रीधराम अलका

आदि यह पुस्तक की वाणी वकील
के प्राण पर वलय होकर
पदा डूबी वाणी ने प्राण पर
में निवेदन किया है कि एक
पक्षकाल में आपकी शीर्षिका
होगा है अब यह पत्र नोट
पुस्तक में लाइनें कर दिया



जहाँ-हमने बाड़ी नचीक वरुस
 सुनी गरी प्रथम स्वीकारिका
 गरी। बाड़ी डाय बाड पत्रनेर
 प्रेस क्रिया गरी है। अगुवाडी
 का वरुस नोए प्रेस में लाडि
 क्रिया गरी है। पत्रावली केसके
 सुगम होके गरी के वरुस
 है। बाडु गरी दालिक वरुस
 है।

उपखण्ड अधिकारी
 भीराना (अमर) राज.